

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग  
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र  
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय  
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-44

दिनांक- शुक्रवार, 07 जून, 2024



**विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन**

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.0 एवं 24.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 64 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.1 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.7 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.5 एवं दोपहर में 36.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान  
(08-12 जून, 2024)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 08-12 जून, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। अगले 12-24 घंटों तक मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। उसके बाद मानसून के आगमन की सम्भावना के कारण 12 जून के बाद वर्षा की सम्भावना में वृद्धि होगी और इसके प्रभाव से उत्तर बिहार के जिलों में अधिकतर स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। एक-दो स्थानों पर मध्यम वर्षा भी होने का अनुमान है। मानसून का आगमन सामान्य समय (13-15 जून) में आने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 34-39 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 25-28 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 20 से 25 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

**समसामयिक सुझाव**

- मध्यम अवधि के धान के किस्मों को बीजस्थली में गिराने का काम करे। इसके लिए संतोष, सीता, सरोज, राजश्री, प्रभात, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, राजेन्द्र भगवती, कामिनी, सुगंधा किस्में अनुशंसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800-1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25-1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज को गिराने से पहले बविस्टिन 2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें।
- जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की सुविधा प्रयाप्त हो तथा लम्बी अवधि वाले धान लगाना चाहते हैं वे राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब-1 वी०पी०टी०-5204 एवं सत्यम आदि किस्में 10 जून तक बीजस्थली में गिराने का प्रयास करें। जितने क्षेत्र में धान का रोप करना हो उसके दशांश हिस्सों में बीज गिरावें। बीज को गिराने से पहले 1.5 ग्राम बविस्टिन प्रति कि० ग्रा० बीज की दर से उपचारित करें।
- अल्प अवधि वाले धान की किस्म एवं सुगंधित धान का किस्म का विचड़ा बीजस्थली में 20 जून से 10 जुलाई तक बोने के लिए अनुशंसित है। सुगंधित किस्मों का विचड़ा बीजस्थली में पहले से गिराने से उसकी सुगंध खत्म हो जाती है।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में तथा अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। हल्दी के लिए बीज दर 20 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा अदरक के लिए 18 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 30-35 ग्राम जिसमें 3 से 5 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30x20 से०मी० रखें। बीज को उपचारित करने के बाद बुआई करें।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोग्राम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, 2.5 किलोग्राम यूरिया, 1.5 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट, 1.3 किलोग्राम म्युरेट ऑफ पोटैश तथा 50 ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरूप बिछा कर मिट्टी में मिला दें।
- खरीफ प्याज की खेती के लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में गोबर की खाद अवश्य डालें। खरीफ प्याज के लिए एन०-53, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8-10 कि०ग्रा० प्रति हे० रखें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं निकाई-गुड़ाई करें। कीट-व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।
- भिन्डी एवं बोरा जैसे फल वाली सब्जियों में भी नत्रजन का उपरिवेशन करें एवं कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान 2 मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 7-10 दिनों के अन्तराल पर फल तोड़ने के बाद दो बार छिड़काव करें। कट्टु वर्गीय सब्जियों में चूर्णिलअसिता के आक्रमण होने पर केराथेन 1.5 ग्राम प्रति लीटर या 25 कि०लो० सल्फर पाउडर प्रति हेक्टेयर की दर भुरकाव करें।
- पशुओं के चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई अन्तर्वती खेती में करने से चारे की गुणवत्ता बढ़ जायेगी तथा दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच०एस० (गलघोंटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच०एस० (गलघोंटू) से बचाव के लिए टीके लगावें।

आज का अधिकतम तापमान: 37.2 डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 24.5 डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० गुलाब सिंह)

तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

(डॉ० ए. सत्तार)

वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)